ए.आई.आर.एफ. का 87वां वार्षिक अधिवेशन चेन्नई में धूमधाम से संपन्न

ए.आई.आर.एफ. का 87वां अधिवेशन 14 से 16 नवम्बर 2011 तक सदर्न रेलवे मजदूर यूनियन द्वारा चेन्नई मे पूर्ण धूमधाम से संपन्न हुआ। सम्मेलन इतना भव्य था जिसकी तारीफ सभी यूनियन के नेताओं, प्रतिनिधियों के साथ-साथ प्रशासन एवं रेल मंत्री तक ने की । अधिवेशन का आयोजन सदर्न रेलवे मजदूर यूनियन ने किया था । इस सफल अधिवेशन के पीछे सदर्न रेलवे मजदूर यूनियन के महामंत्री श्री एन. कन्हैया एवं उनकी पूरी टीम का हाथ था ।

महिला सम्मेलन

इस त्रिदिवसीय अधिवेशन का प्रारम्भ 14 नवम्बर को महिला अधिवेशन के साथ हुआ । महिला अधिवेशन का उद्घाटन करते हुए आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन के महामंत्री श्री शिव गोपाल मिश्रा ने इस बात पर बहुत खुशी जाहिर की आज के महिला अधिवेशन में महिला साथियों की भारी संख्या में भागीदारी से आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन को निश्चय ही मजबूती मिली है । उन्होंने आशा व्यक्त की कि शाखा से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक महिला समितियों का निर्माण जल्द ही हो जाएगा एवं हम आने वाले वर्षों में कोशिश करेंगे कि यह अधिवेशन पूरे दिन का हो । उन्होंने कहा कि ए.आई.आर.एफ. सदैव से ही महिलाओं को संगठित करने के पक्ष में रहा है एवं उन्हें इस बात का भरोसा दिलाया कि उन्हें संगठित होने के लिए आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन हर संभव प्रयास करेगी ।

महिला सम्मेलन की अध्यक्षता आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा श्रीमती डी. शलील ने की एवं श्रीमती जया अग्रवाल ने आलोच्य अवधि की रिपोर्ट रखने का काम किया ।

सभी क्षेत्रीय महिला समितियों की चेयरपर्सन ने अपने अपने क्षेत्र की रिपोर्ट को रखने का काम किया ।

इस अवसर पर मंच पर उपस्थित ए.आई.आर.एफ. के पदाधिकारियों को महिला साथियों ने अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मनित किया और महिला सम्मेलन के अंत में अपनी समस्याओं एवं संगठन के लिए उन्होंने एक प्रस्ताव भी पास करने का काम किया ।

कार्यकारिणी सभा

14 तारीख को आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन की कार्यसमिति की बैठक श्री उमराव मल पुराहित, अध्यक्ष आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन की अध्यक्षता में दिन के 12.00 बजे आई.सी.एफ क्लब में आयोजित की गई जिसमें पिछली कार्यवाही की पुष्टि की गई । तत्पश्चात सदर्न रेलवे मजदूर यूनियन के सहायक महामंत्री श्री ईश्वर लाल ने आयोजित होन वाले सारे कार्यक्रम का ब्यौरा दिया और यह बात तय पाई गई कि अधिवेशन 16 तारीख को अपरान्ह लंच तक चलाया जाय ।

महामंत्री आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन श्री शिव गोपाल मिश्र ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुये कहा कि चेन्नई बहुत बड़ा शहर है। इस अधिवेशन के लिए काफी लोग विशेष गाड़ियों और अतिरिक्त कोचों द्वारा दूर-दूर से आये है । हालांकि सदर्न रेलवे मजदूर यूनियन ने पूरा प्रयास किया है कि किसी को कोई परेशानी न होने पाये फिर भी अगर कोई परेशानी होती है तो मुझे मालूम है कि उसे अपना अधिवेशन समझकर आप नजरअंदाज कर देगे और इस अधिवेशन को एक यादगार अधिवेशन बनायेगे । उन्होने कहा कि रेलवे और रेल कर्मचारियों के समक्ष बहुत चुनौतियाँ है , हमे उन पर गंभीरता से चर्चा कर कुछ ठोस निर्णय लेने होगे और उसमे आप सबकी सहभागिता की आवश्यकता है। सेन्ट्रल रेलवे मजदूर यूनियन के महामंत्री श्री पी.आर.मेनन ने विचार रखा कि प्रस्ताव और रिपोर्ट अलग-अलग पेश किये जाय एवं उन पर अलग-अलग जोन का समय निर्धारित कर दिया जाय । अध्यक्ष जी ने इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह कैसे संभव है कि सामान्य सभा (जनरल काउंसिल) में वक्ताओं की संख्या को सीमित कर दिया जाय । समय पर जरुर प्रतिबंध लगाया जा सकता है किन्तु वह भी संख्या पर आधारित न होकर सामान्य रुप से ही लागू हो पायेगा । उन्होने स्पष्ट किया कि सामान्य सभा में हर प्रतिनिधि का बराबर का स्तर रहे । उसमें बड़ी और छोटी जोन का कोई प्रश्न नही है। आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन के कार्यकारी अध्यक्ष श्री रखाल दाय गुप्ता ने कहा कि अगर रिपोर्ट और प्रस्ताव अलग-अलग पेश किये जाते है और उन पर अलग-अलग बहस होती है तो प्रस्तावों की गंभीरता समाप्त हो जायेगी और बहुत सारे प्रतिनिधियो एवं वक्ताओं को उस पर अपने विचार रखने का समय नही मिलेगा और यह भी संभव है कि अंत में प्रस्ताव बिना बहस के ही स्वीकार करने पड़े तो इसलिए जो अभी तक चला आ रहा है कि महामंत्री की रिपोर्ट और लेखा-जोखा के बाद प्रस्ताव पेश कर दिये जाते है , उसी को चालू रखा जाय । चूंकि इससे वक्ताओ को रिपोर्ट के साथ प्रस्तावों पर भी अपनी बात रखने का अवसर मिल पायेगा । कार्यकारिणी के सदस्यों ने अध्यक्ष एवं कार्यकारी अध्यक्ष के सुझावों पर सहमति व्यक्त करते हुए अधिवेशन के कार्यक्रम को मंजूरी दे दी।

विशाल रैली

इस अधिवेशन के अवसर पर सदर्न रेलवे मजदूर यूनियन ने एक विशाल रैली का आयोजन किया जिसमें दूसरी क्षेत्रीय यूनियनों से आये हुए प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया । रैली बाद में रेलवे स्पोर्ट्स ग्राउंड पैरम्बूर में विशाल सभा में बदल गई जिसमें एक अनुमान के अनुसार करीब 40,000 रेलकर्मियों ने भाग लिया । यह रैली इतनी विशाल थी कि रेल मंत्री को बीच रास्ते में ही अपनी कार से उतरकर पैदल ही सभा स्थल पर जाना पड़ा । रेलमंत्री को अपने बीच पाकर रेल कर्मचारियों ने काफी उत्साह दिखाई । इस अवसर पर आयोजित खुले सत्र का उद्घाटन रेलमंत्री श्री दिनेश त्रिवेदी, रेल राज्य मंत्री श्री के.एच. मुनियप्पा, आई.टी.एफ. के महामंत्री ब्रदर डेविड कॉकराफ्ट, रेलवे बोर्ड के मेम्बर स्टाफ श्री एं.के. वोहरा, मेम्बर यंत्रिक श्री संजीव हांडा, मेम्बर इन्जीनियरिंग श्री ए.पी. मिश्रा, महाप्रबंधक सदर्न रेलवे श्री दीपक कृष्ण ने दीप प्रज्वलित कर किया ।

खुला सत्र (ओपेन सेशन)

खुले सत्र की अध्यक्षता आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन के अध्यक्ष श्री उमरावमल पुरोहित ने किया। इस अवसर पर माननीय मुख्य अतिथि, नेताओं, प्रतिनिधि एवं अन्य यूनियन के कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए सदर्न रेलवे मजदूर यूनियन के महामंत्री श्री एन. कन्हैया ने कहा कि इस अधिवेशन की सफलता का सारा श्रेय हमारी टीम को है । उन्होंने रेलमंत्री, रेल राज्य मंत्री, रेलवे बोर्ड के सदस्यों,

महाप्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों, फेडरेशन के सभी पदाधिकारियों, दूर-दूर से आये प्रतिनिधियों एवं पर्यवेक्षकों के साथ साथ एस.आर.एम.यू. के बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी उपस्थिति से जहां एक ओर ए.आई.आर.एफ. के ८७वें अधिवेशन को सफलता प्रदान हुई है वहीं संगठन को इससे मजबूती भी मिली है । श्री कन्हैया ने कहा कि अपने वाले दिनों में हमारे सामने बहुत सारी चुनौतियां आने वाली है । ए.आई.आर.एफ. आप सबके सहयोग से उन सबसे निपटने में अवश्य ही सफल होगी । सम्मेलन को संबोधित करते हुए रेलमंत्री श्री दिनेश त्रिवेदी ने ए.आई.आर.एफ. के गौरवशाली इतिहास एवं नेतृत्व की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इस अधिवेशन को अभूतपूर्व करार दिया । श्री त्रिवेदी ने कहा जिस प्रकार रेलवे देश के लिए अनिवार्य है उसी तरह ए.आई.आर.एफ. , रेल कर्मचारियों एवं रेल उद्योग के लिए अनिवार्य है । श्री त्रिवेदी ने ए.आई.आर.एफ. के स्वतंत्र, आत्मनिर्भर एवं प्रजातांत्रिक आन्दोलन की भूरि-भूरि प्रशंसा की । श्री त्रिवेदी ने रेल कर्मचारियों के समस्याओं के निदान का भरोसा दिलाते हुए कहा कि आपके महामंत्री श्री शिव गोपाल मिश्र ने जो मांग पत्र मुझे दिए हैं निश्चय ही उस पर अविलंब कार्यवाही कराकर उन समस्याओं को हल कराने का कार्य करेंगे। उन्होंने लार्जेस के तहत भर्ती को अनुकम्पा भर्ती के अनुरूप करवाने का भी आश्वासन दिया । दुरंतो गाड़ियों में भी रेलकर्मियों के पास की सुविधा दिये जाने की घोषणा की । उन्होंने कहा कि निश्चय ही इस समय रेलवे कुछ संकट के दौर में है पर हमें विश्वास है कि हम फेडरेशन के नेतृत्व और रेल कर्मचारियों के साथ मिल कर इस संकट से उबर जाएंगे।

रेल राज्य मंत्री श्री मुनियप्पा ने जहां ए.आई.आर.एफ. को 87वें अधिवेशन पर बधाई दी वहीं एस. आर.एम.यू. के महामंत्री श्री एन.कन्हैया को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देने का काम किया । श्री मुनियप्पा ने रेलकर्मियों की मांगों को सफलतापूर्वक उठाने एवं उसे हल कराने के सतत् प्रयास के लिए भी ए.आई.आर.एफ. को बधाई दी । श्री मुनियप्पा ने पूर्व रेलमंत्री द्वारा रेलकर्मियों एवं उनके बच्चों, परिवार के हित में की गई घोषणा की चर्चा करते हुए कहा कि ए.आई.आर.एफ. की उनको लागू किये जाने की मांग जायज है और हम नए रेलमंत्री से अपेक्षा करते हैं कि वे उन्हें जल्द से जल्द इसे लागू कराएंगे । इससे पूर्व सदस्य कार्मिक श्री ए.के. वोहरा, सदस्य यांत्रिक श्री संजीव हांडा, सदस्य इंजीनियरिंग, श्री ए.पी. मिश्रा ने भी खुले सत्र में अपने संदेश दिये । सदर्न रेलवे के महाप्रबंधक श्री दीपक कृष्ण ने कहा कि वह और एस.आर.एम.यू. दोनों ही इस आयोजन के अवसर पर पधारे अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हैं। उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में एस.आर.एम.यू के आये प्रतिनिधियों से कहा कि हमने और सदर्न रेलवे मजदूर यूनियन ने आप की सुख सुविधा के लिए पूरे प्रबंध किये हैं पर फिर भी कमी रह जाये तो प्रशासनिक आधार पर उसे त्रुटि मानते हुए हमें आशा है आप उसे नजरअंदाज कर देंगे।

रेलमंत्री श्री दिनेश त्रिवेदी के संबोधन से पूर्व खुले सत्र को संबोधित करते हुए आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन के अध्यक्ष श्री उमराव मल पुरोहित ने ए.आई.आर.एफ. के गौरवशाली इतिहास को बताते हुये आशा व्यक्त की कि रेलकर्मी आने वाले समय में हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहेंगे।

खुले सत्र को संबोधित करते हुए ए.आई.आर.एफ. के महामंत्री श्री शिव गोपाल मिश्र ने कहा कि रेल एक बार फिर गंभीर खतरे में है और इसलिए हमें आशा है कि हमारे साथी एक बार फिर इस

अधिवेशन से रेल बचाओ-देश बचाओ के नारे को साथ लेकर जायेंगे। उन्होंने रेलवे में खाली पड़े पदों को न भरे जाने, लार्जेस स्कीम के तहत अनुकम्पा के अनुरूप भर्ती न दिये जाने, रेल कर्मचारियों के बच्चों को सब्सीटियूट में भर्ती न दिये जाने, कैडर रिस्ट्रक्चरिंग को लागू न किये जाने एवं तकनीकी कर्मचारियों एवं पर्यवेक्षकों की मांगों पर कोई निर्णय न लिये जाने, रेलकर्मियों की कार्यदशाओं एवं कालोनियों का ठीक रख-रखाव होने इत्यादि मांगों की ओर रेल मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए आशा व्यक्त की कि भारत सरकार पर रेलवे द्वारा खर्च की जा रही 20 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी का भुगतान कराया जाय साथ ही रेलवे के तमाम इन्फ्रास्टकचर, प्रोजेक्ट्स के लिए भारत सरकार से पैसा लिया जाय । श्री मिश्रा ने ट्रैकमैन कमेटी की रिपोर्ट को भी अविलंब स्वीकार किये जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि रेलवे में हर वर्ष 10 हजार के करीब रेल कर्मचारी या तो ड्यूटी पर अपनी जान दे देते हैं या फिर विकलांग हो जाते हैं। उनकी गैर पढ़ी लिखी विधवाओं को भी रेलवे में समाहित किये जाने की मांग की । भूतपूर्व रेलमंत्री सुश्री ममता जी द्वारा रेल कर्मचरियों के बच्चों के लिए स्कूल, स्वास्थ्य मेडिकल वैन एवं सभी रेल कर्मचरियों के लिए मकान इत्यादि घोषित कल्याणकारी योजनाओं को अविलंब पूरा करने की मांग की।

आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन के अध्यक्ष श्री उमराव मल पुरोहित ने कहा कि ए.आई.आर.एफ. जब भी आवश्यकता पड़ी रेल कर्मचारियों के हितों में कुर्बानी के लिए हमेशा तैयार रहा । 1960, 1968 एवं 1974 में हुई राष्ट्रीय हड़तालों में ए.आई.आर.एफ. की भागीदारी किसी से छुपी नहीं है । उन्होंने कहा कि हालांकि रेलों पर सन् 1974 के बाद काफी औद्योगिक शांति है पर यदि रेल कर्मचारियों की मांगों को शीघ्र हल नहीं किया गया तो औद्योगिक शांति भंग भी हो सकती है, इसलिए वक्त का तकाजा है कि रेल कर्मचारियों की लंबित मांगें जल्द से जल्द हल कर दी जाए।

आई.टी.एफ. के महामंत्री ब्रदर डेविड कॉकराफूट ने 87वें सम्मेलन पर ए.आई.आर.एफ. को समूचे विश्व के ट्रांसपोर्ट कर्मियों की ओर से बधाई दी एवं समूचे परिवहन तंत्र के सामने उपस्थित चुनौतियों का जिक्र करते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मजदूर आन्दोलन की एकता पर बल दिया । उन्होंने आई.टी.एफ. में ए.आई.आर.एफ. की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह आई.टी.एफ. से संबंधित यूनियनों में विश्व की सबसे बड़ी यूनियन है । उन्होंने आशा व्यक्त कि की ए.आई.आर.एफ. हर दिन और मजबूत होगी । इस अवसर पर ए.आई.आर.एफ. के इस अधिवेशन में विशेष रूप से पधारे रशियन और कंस्ट्रक्शन वर्कर्स यूनियन के डिप्टी चेयरमेन ब्रदर शिरजी चेन्नो एवं नेपाल यातायात मजदूर पंचायत के अध्यक्ष श्री अजय कुमार राय ने भी अपने शुभकामनाएं अधिवेशन में दी । सदर्न रेलवे मजदूर यूनियन ने सभी अतिथियों एवं यूनियन के वरिष्ठ नेताओं को इस अवसर पर सम्मानित करने का कार्य किया ।

प्रतिनिधि सत्र (डेलीगेट सेशन)

दिनांक 15 से 16 नवम्बर को ए.आई.आर.एफ. का प्रतिनिधि सम्मेलन प्रारम्भ हुआ । ए.आई.आर.एफ. के अध्यक्ष श्री उमरावमल पुरोहित की अश्वस्थता के कारण इस प्रतिनिधि सत्र की अध्यक्षता फेडरेशन के कार्यवाहक अध्यक्ष श्री रखाल दास गुप्ता ने की । प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए श्री गुप्ता ने आशा व्यक्त किया कि यह दो दिवसीय सम्मेलन प्रतिनिधियों के सहयोग से सफल रहेगा । श्री गुप्ता ने महामंत्री को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया । महामंत्री ने रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पूर्व आलोच्य अवधि में दिवंगत हुए व्यक्तियों के प्रति शोक प्रस्ताव रखा तथा दो मिनट का मौन रखकर सभी

को श्रद्धांजलि अर्पित की । महामंत्री ने अपनी रिपोर्ट को विधिवत अधिवेशन में रखते हुए अन्तर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, स्थानीय घटनाओं का जिक्र किया एवं रेलकर्मियों की समस्याओं पर भी विस्तार से चर्चा करते हुए आशा व्यक्त किया कि हमे शाखा स्तर से लेकर उच्च स्तर तक संगठन को जीवंत रखते हुए आने वाली चुनौतियों का मुकाबला करना है । उन्होंने मूल सवालों पर चर्चा करते हुए कहा कि हमें संगठन को इतनी मजबूती प्रदान करने के लिए आप सबका सहयोग बहुत आवश्यक है और बिना संगठन के किसी भी समस्या का निदान संभव नहीं है । कुछ जगहों पर संगठन में जितनी चुस्ती होनी चाहिए वह नहीं है। युवाओं एवं महिलाओं को संगठन में जोड़ना उन्हें संगठित करना बहुत ही आवश्यक है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिक खासतौर पर जो रेलवे परिसर में कार्यरत हैं उन ठेका मजदूरों को संगठित कर उनकी लड़ाई लड़ना हमारी प्राथमिकता है परन्तु इसे कुछ क्षेत्रीय रेलें इसे गंभीरता से नहीं ले रही है। महामंत्री ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में रेलवे एवं रेलवे से बाहर घट रहे घटनाक्रमों का विस्तार से खुलासा किया । महामंत्री के रिपोर्ट के बाद कोषाध्यक्ष श्री जे.आर. भोसले ने लेखा-जोखा प्रस्तुत किया । तत्पश्चात् श्री मुकेश गालव महामंत्री डब्ल्यू.सी.आर.ई.यू. ने देश की सामाजिक आर्थिक स्थिति पर प्रस्ताव किया जिसका समर्थन ईस्ट कोष्ट रेलवे श्रमिक यूनियन के महामंत्री श्री सी.एच. गांधी ने किया । दूसरा प्रस्ताव रेल कर्मचारियों की समस्याओं एवं उनकी मांगों के प्रस्ताव को श्री जे.आर. भोसले ,महामंत्री वेस्टर्न रेलवे इम्पलाइज यूनियन ने प्रस्तुत किया जिसका समर्थन एस.सी.आर.एम.यू. के महामंत्री श्री सी.एच.शंकराराव ने किया । महामंत्री की रिपोर्ट एवं प्रस्तावों पर हुई परिचर्चा पर श्री एस. के ब्रहमा , महामंत्री इस्टर्न रेलवेमेन्स यूनियन , श्री दलजीत सिंह , कार्यकारीणी सदस्य, श्री एस के बोस महामंत्री सेन्ट्रल रेलवे मजदूर यूनियन, श्री आर. डी. यादव , महामंत्री नार्थ सेन्ट्रल रेलवेमेन्स यूनियन , श्री बसन्त चतुवेर्दी , क्षेत्रीय सचिव ए.आई.आर.एफ. श्री आर. के चटोपध्याया , श्री शुभेन्द्रो मुखर्जी , हरभजन सिंह सिद्धू , सहा. महामंत्री ए.आई.आर.एफ आदि लोगों ने भाग लिया । सभी वक्ताओं ने महामंत्री की रिपोर्ट की सराहना की एवं प्रस्तावों पर अपनी सहमति जाहिर की। जहां प्रस्ताव संख्या १ के माध्यम से बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, श्रम कानूनों का उल्लंघन, श्रमिक सेक्टर को बेचा जाना , विद्युत उत्पादन में भारी कमी के चलते औद्योगिक उत्पादन का बाधित होना, भूमि को जबरन अधिग्रहण किया जाना, नागरिको की मूलभूत समस्याओं का उपलब्ध न होना , दहेज उन्मूलन, आवश्यक वस्तुओं के दामो में वृद्धि , लिंग भेद , आदि समस्याओ के खिलाफ लड़ने और सभी के लिए भोजन , शिक्षा, चिकित्सा सुविधायें , आवास के लिए संघर्ष और कार्य के मौलिक अधिकार , सुरक्षा कानून , लोकपाल बिल और ठेका मजदूरी समाप्ति के लिए कानून का गठन अत्यादि पर देश के तमाम श्रम संगठनों, जन आंदोलन के साथ मिलकर काम करने का निर्णय किया गया वहीं प्रस्ताव२ में रेल मंत्रालय, भारत सरकार को चेतावनी दी गई कि अर समय रहते रेलकर्मियों की मांगें नहीं माने जाने की स्थिति में बजट सत्र के दौरान मार्च में संसद पर भारी प्रदर्शन करेगा । तत्पश्चात सामान्य सभा (जनरल कांउसिल) बुलाकर भारी रणनीति तय करेगा ।

महामंत्री ने रिपोर्ट पर लोगों द्वारा किये गए सराहना के लिए उन्हें कहा कि यह उनकी रिपार्ट नहीं है यह सारी क्षेत्रीय रेलें एवं उत्पादन इकाईयों में कार्यरत अपने यूनियन के कर्मठ साथियों की रिपोर्ट है जिन्होंने इस महान संगठन को चलाने में उनकी मदद की है । उन्होंने कहा कि रेलवे की तमाम कार्य निजी क्षेत्रों या निगमों में जा रहे हैं इसलिए हमारी यह जिम्मेदारी है कि हम वहां के श्रमिकों को भी संगठित करने का कार्य करें । महामंत्री ने सप्लाई-चेन सिस्टम, मेट्रो, ठेका इत्यादि परिवहन तंत्रों में कार्यरत कर्मचारियों को भी संगठित किये जाने पर बल देते हुए कहा कि उनको संगठित करने से ए.आई.आर.एफ.

ही मजबूत नहीं होगा बल्कि हमें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग स्थान मिलने का काम होगा क्योंकि इन तमाम संस्थाओं में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की भागीदारी है और वो भारतीय श्रमिकों के साथ दोहरा चरित्र अपना रहे हैं । आई.टी.एफ. भी इन संस्थानों में श्रमिकों को संगठित किये जाने पर बल देता रहा है। महांत्री ने आने वाले नये साल के लिए लोगों को बधाई देते हुए कहा कि अगला वर्ष हम लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण होगी । एक ओर जहां अपनी मांगों को पूरा करने के लिए संघर्षरत होंगे वहीं दूसरी ओर हो सकता है कि हमें एक बार फिर अपनी अग्नि परीक्षा जो कि गुप्त मतदान के जरिए होंगे उसके लिए तैयार रहना चाहिए । उन्होंने कहा कि हमें अपने फेडरेशन, यूनियन के नेताओं पर पूरा भरोसा है कि वे नवयुवकों, महिलाओं तथा हर स्तर पर हर कैटेगरी के कर्मचारियों को संगठित करते हुए इस महासागर में पिछली बार से ज्यादा सफलता हासिल करेंगे । उन्होंने फेडरेशन के संचालन में यूनियन के अध्यक्ष, कार्यवाहक अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सभी उपाध्यक्ष तथा सभी सहायक महामंत्री का धन्यवाद किया । उन्होंने यूनियन के दिन-प्रतिदिन कार्यों में ए.आई.आर.एफ. कार्यालयल में कार्यरत सहयोगियों की भी प्रशंसा की । उन्होंने इस भव्य सम्मेलन के आयोजन के लिए एस.आर.एम.यू. के अध्यक्ष श्री सी.ए. राजाश्रीधर को भी अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व के लिए धन्यवाद दिया । महामंत्री ने श्री जी. ईश्वर लाल, सहायक महामंत्री, एस.आर.एम.यू. को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने भाषा के बंधनों को तोड़ते हुए सेतु बनकर प्रतिनिधियों का दिल जीतने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अक्सर कुछ मान्यताप्राप्त और गैर मान्यताप्राप्त संगठन ए.आई.आर.एफ. पर मिथ्या आरोप मढ़त रहते हैं उनको जबाव देने के लिए यह चार लाईनें काफी है।

चमन को सींचने में पत्तियां कुछ गिर गई होगी, यही इल्जाम मुझ पर लग रहा है बेवफाई का ।
पर जिसने रौंद डाला हर कली को अपने पैरों से, वही दावा करते है इस चमन की रहनुमाई का ।।

महामंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि -

जरा सा दम अगर हो हौंसलों में ,चली आती है मंजिल ठोकरों में ।

और फिर अंत में उन्होने कहा कि आप सब आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन के कार्यकर्ता है , उनके लिए मै यहीं कहना चांहूगा कि-

परिंदो को नही दी जाती तालीम उड़ानों की , वे खुद ही तय करते है मंजिल आसमानों की ।

महामंत्री ने रिपोर्ट के जवाब के बाद प्रतिनिधि सभा की अध्यक्षता कर रहे श्री रखाल दास गुप्ता ने प्रतिनिधियों से राय मांगी जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। उन्होने लेखा-जोखा पर प्रतिनिधियो से राय मांगी जिसे सर्व सम्मति से पारित किया गया। प्रस्तावों को भी जोरदार नारों के साथ प्रतिनिधियों द्वारा पारित किया गया। तत्पश्चात उन्होने अधिवेशन की अंतिम कार्यवाही के तौर पर लोगो को बताया कि आल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन के पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति के सदस्यों की निर्वाचन प्रक्रिया में सभी पदो के लिए चुकि एक ही एक नामांकन आयो है इसलिए चुनाव सर्वसम्मति से होना तय है और उन्होने श्री जे. आर.भोसले को आये हुये नामो को पढ़ने का आग्रह किया। श्री भोसले ने निम्न नामों को पढ़ कर प्रतिनिधि सभा मे सुनाये जिन्हे प्रतिनिधियों ने हर्षध्वनि से सर्वसम्मति से स्वीकार किया एवं सर्वसम्मति से निर्वाचित घोषित किया गया ।

ए.आई.आर.एफ. पदाधिकारी

अध्यक्ष	: श्री उमरावमल पुरोहित	महामंत्री :	श्री शिव गोपाल मिश्र
कार्यकारी अध्यक्ष	: श्री राखल दास गुप्ता	सहायक महामंत्री :	श्री के.एल. गुप्ता
उपाध्यक्ष	: श्री वी.पी.आर. पिल्लैई	सहायक महामंत्री :	श्री सी.एच. शंकर राव

उपाध्यक्ष	: श्री एस.के. ब्रह्मा	सहायक महामंत्री	: श्री एन. कन्हैया
उपाध्यक्ष	: श्री पी.आर. मेनन	सहायक महामंत्री	: श्री सी. एच. गाँधी
उपाध्यक्ष	: श्री सी.ए. राजाश्रीधर	सहायक महामंत्री	: श्री हरभजन सिंह सिद्धू
उपाध्यक्ष	: श्री एम.एन. वाजपेयी	सहायक महामंत्री	: श्री मुकेश गालव
उपाध्यक्ष	: श्री यू.सी. त्यागी	सहायक महामंत्री	: श्री ए.एम. डीक्रुज
उपाध्यक्ष	: श्री आर.डी. यादव	सहायक महामंत्री	: श्री सलील लॉरेंस
उपाध्यक्ष	: रिक्त	कोषाध्यक्ष	: श्री जे.आर. भोसले

अधिवेशन के अंत में सर्दन रेलवे मजदूर यूनियन के अध्यक्ष श्री सी. ए.राजाश्रीधर ने सभा को धन्यवाद ज्ञापित किया।